प्लाज़्मा समाचार

अंक 55

जुलाई 2026

प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर, गुजरात (भारत)

PLATINUM JUBILEE YEAR 70 Glorious Years 1954-2024

राष्ट्र की सेवा में परमाणु पऊवि DAE ATOMS IN THE SERVICE OF THE NATION

इस अंक में विशेष

GOCO मोड में प्लाज़्मा नाइट्राइडिंग

प्रो. काव स्मृति दिवस

पर्यावरण दिवस-2026

योग दिवस -2026

इस अंक में...

- गोको (GOCO) मोड में प्लाज़्मा नाइट्राइडिंग सुविधा का संचालन प्रारंभ 2
- प्रो. पी. के. काव स्मृति दिवस 3
- संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस—2026 4
- संस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का आयोजन 5
- विश्व पर्यावरण दिवस 6
- प्लाज़्मा X एआई-फ़्यूज़न और प्लाज़्मा टेक्नोलॉजी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता 7
- गुरु नानक विश्वविद्यालय, इब्राहिमपटनम, हैदराबाद में प्लाज़्मा प्रदर्शनी 8
- लॉर्ड्स इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद में प्लाज़्मा प्रदर्शनी 8
- संस्थान में शैक्षणिक दौरे 9
- हिंदी प्रशिक्षण 11
- प्रोफेसर पी. के. काव को कलात्मक श्रद्धांजलि 11
- एसएसपी (SSP)-2026 के छात्रों हेतु पुस्तकालय 12
- सहकर्मी परिचय 12

गोको (GOCO) मोड में प्लाज़्मा नाइट्राइडिंग सुविधा का संचालन प्रारंभ

औद्योगिक प्लाज़्मा प्रौद्योगिकी सुविधा केन्द्र (एफसीआईपीटी) में स्थापित प्लाज़्मा नाइट्राइडिंग प्रणाली

संस्थान (IPR) की प्लाज़्मा नाइट्राइडिंग सुविधा को सरकारी स्वामित्व, कॉर्पोरेट संचालित (GOCO) मोड में लॉन्च करने के साथ तकनीकी व्यावसायीकरण की दिशा में एक प्रमुख उपलब्धि हासिल की गई है। अपनी तरह की इस पहली गोको (GOCO) पहल के तहत, एक पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से एक निजी उद्योग भागीदार का चयन, सुविधा के संचालन और रखरखाव का जिम्मा संभालने के लिए किया गया है जबकि इसका स्वामित्व संस्थान के पास ही रहेगा। उद्योग के परिचालन कर्मियों के सफल प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के बाद, 4 मई 2026 को यह प्रणाली मेसर्स एन के वैक्यूम हीट ट्रीटमेंट्स, अहमदाबाद को सौंप दी गई, जो संचालन की शुरुआत और तकनीक के व्यावसायीकरण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वास्तविक परिचालन स्थितियों के तहत इस तकनीक की औद्योगिक व्यावहारिकता, विश्वसनीयता और व्यावसायिक क्षमता का प्रदर्शन करना है। उम्मीद है कि गोको (GOCO) फ्रेमवर्क, उद्योग के विश्वास को बढ़ाएगा, तकनीक अपनाने को त्वरित करेगा, बाजार के विकास को सुगम बनाएगा और संस्थान द्वारा विकसित इस स्वदेशी तकनीक के बड़े पैमाने पर उपयोग के लिए एक स्थायी मार्ग तैयार करेगा।

मेसर्स एन के वैक्यूम हीट ट्रीटमेंट्स, अहमदाबाद को सुविधा का हस्तांतरण

प्रो. पी. के. काव स्मृति दिवस

प्रो. प्रद्युमन कृष्ण काव की 9वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 18 जून 2026 को संस्थान में उनकी स्मृति में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

दिनभर चले इस कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रोफेसरों के विशिष्ट व्याख्यानों के साथ-साथ वर्तमान शोधार्थियों द्वारा पोस्टर प्रस्तुतियाँ भी आयोजित की गईं। स्मृति कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. काव को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। पुस्तकालय में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में संस्थान के स्टाफ सदस्यों एवं आगंतुकों ने उनकी स्मृति को नमन करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रो. अभिजीत सेन ने अपने शुरुआती भाषण के साथ तकनीकी सत्र की शुरुआत की, जिसके बाद आईपीआर पुस्तकालय द्वारा प्रो. काव की स्मृति में बनाया गया एक छोटा वीडियो दिखाया गया। आई आई टी दिल्ली की प्रो. अमिता दास ने 'मैग्नेटाइज़्ड लेज़र-प्लाज़्मा इंटरैक्शन: फ्रॉम फंडामेंटल इलेक्ट्रोडायनामिक्स टू एडवांस्ड लेज़र एंड पार्टिकल एप्लीकेशन्स' विषय पर अपना भाषण दिया। आई पी आर के पूर्व वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. शिशिर देशपांडे ने 'एनालिटिक मॉडल्स फॉर टोकामॅक एज थर्मल इक्विलिब्रियम एंड स्टेबिलिटी: MARFE एंड डेविएशन्स फ्रॉम कोरोना इक्विलिब्रियम' विषय पर व्याख्यान दिया।

दूसरे सत्र में, शोधार्थियों द्वारा कुल 18 पोस्टर प्रस्तुत किए गए। पोस्टर सत्र के बाद, आई पी आर के प्रो. सुदीप सेनगुप्ता ने 'ब्रेकिंग ऑफ़ प्लाज़्मा वेव्स: एक्सपेरिमेंटल डेमोंस्ट्रेशन एंड थ्योरेटिकल मॉडलिंग' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का समापन डीन (आर एंड डी), डॉ. परितोष चौधरी के समापन उद्बोधन के साथ हुआ। इस अवसर पर उन्होंने आईपीआर के निदेशक का संदेश भी उपस्थित जनों को पढ़कर सुनाया।

(बाएँ) प्रो. अभिजीत सेन उद्घाटन वक्तव्य देते हुए (मध्य) प्रथम सत्र के दौरान उपस्थित श्रोतागण (दाएँ) प्रो. अमिता दास व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए

प्रो. शिशिर देशपांडे व्याख्यान देते हुए

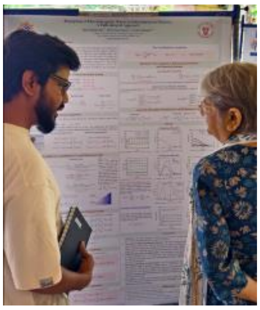

पोस्टर सत्र के दौरान शोधार्थी अपने पोस्टरों की प्रस्तुति देते हुए

(बाएँ) प्रो. सुदीप सेनगुप्ता अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए। (मध्य) विशेष व्याख्यानों में सहभागी शोधार्थी। (दाएँ) डीन (आर एंड डी) डॉ. परितोष चौधरी समापन वक्तव्य देते हुए।

संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026

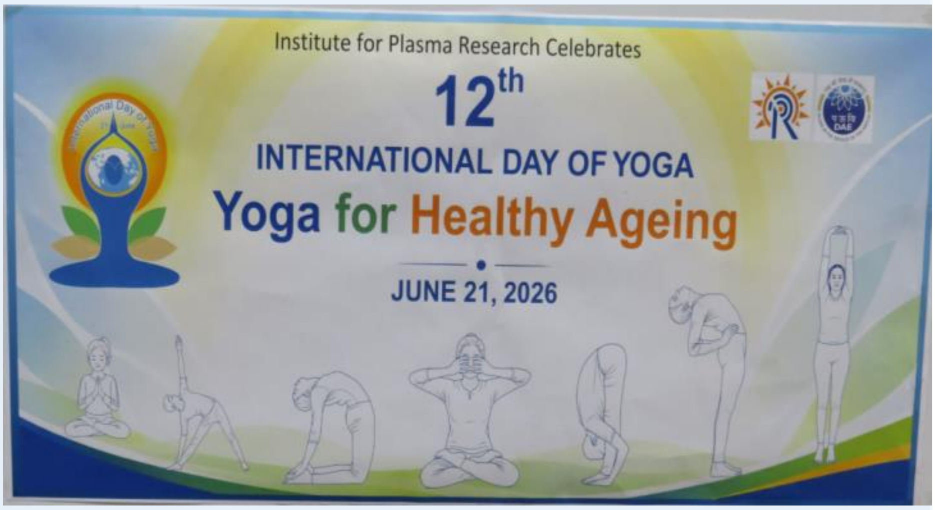

प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान (आईपीआर) ने 21 जून 2026 को प्रातः 8:00 बजे आयोजित स्फूर्तिदायक योग सत्र के साथ उत्साहपूर्वक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। यह कार्यक्रम आईपीआर के लोगों के बीच शारीरिक तंदुरुस्ती, मानसिक स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

यह सत्र विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी – गांधीनगर शाखा द्वारा आयोजित किया गया था और इसका संचालन आईपीआर के सम्मानित पूर्व कर्मचारी और अनुभवी योग प्रशिक्षक श्री राजेश त्रिवेदी ने किया। उनके कुशल मार्गदर्शन और प्रेरणादायक अंदाज़ ने इस सत्र को सभी प्रतिभागियों के लिए रोचक एवं लाभकारी बना दिया।

योग कार्यक्रम का संचालन सुव्यवस्थित क्रम में किया गया। प्रतिभागियों को प्रारंभिक निर्देश देने के उपरांत ओंकार एवं प्रार्थना, तनाव-मुक्ति तथा वार्म-अप अभ्यास, परिष्करण व्यायाम, सूर्य नमस्कार, विभिन्न योगासन, शवासन, प्राणायाम, सात चक्र बीज मंत्र, पतंजलि वंदना एवं समापन मंत्र का अभ्यास कराया गया। पूरे सत्र के दौरान शारीरिक लचीलेपन, श्वास-प्रश्वास की वैज्ञानिक तकनीकों, मानसिक सजगता तथा आंतरिक शांति पर विशेष बल दिया गया।

बड़ी संख्या में कर्मचारियों और उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया, जो स्वस्थ शरीर और शांत मन बनाए रखने में योग के महत्व के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है।

सभी प्रतिभागियों को पौष्टिक नाश्ता परोसने के साथ सुखद ढंग से कार्यक्रम का समापन हुआ, जिससे अनौपचारिक संवाद का मौका मिला और समग्र कल्याण का संदेश और मज़बूत हुआ।

यह आयोजन इस बात की याद दिलाता है कि योग केवल व्यायाम का एक रूप नहीं है, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है जो शारीरिक ऊर्जा, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देता है। आईपीआर अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के लाभ के लिए ऐसी कल्याणकारी पहलों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) की झलकियाँ

संस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का आयोजन
सतत विकास की दिशा में एक प्रेरक पहल

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान (आईपीआर) में तीन परस्पर संबद्ध गतिविधियाँ—विशेषज्ञ व्याख्यान, पोस्टर प्रतियोगिता तथा वृक्षारोपण अभियान—का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों ने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करने के लिए एक साझा मंच प्रदान किया।

सतत जल संसाधनों पर विशेषज्ञ व्याख्यान

4 जून 2026 को आईपीआर में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास, गांधीनगर) तथा आईपीआर हिंदी अनुभाग के संयुक्त तत्वावधान में सतत जल संसाधनों विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। (विस्तृत जानकारी के लिए हिंदी अनुभाग के पृष्ठ 6 को देखें।)

पोस्टर प्रतियोगिता : “प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं”

5 जून 2026 को आईपीआर कर्मचारियों ने पोस्टर प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। “प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं” विषय पर आधारित इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रकार के रंग, क्रेयॉन तथा सजावटी सामग्रियों का उपयोग करते हुए पर्यावरणीय सततता के प्रति अपनी कल्पनाओं को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया। सभी प्रविष्टियों का स्तर इतना उत्कृष्ट था कि निर्णायकों के लिए श्रेष्ठ प्रविष्टियों का चयन करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण हो गया।

प्रतियोगिता के परिणाम

प्रथम पुरस्कार: सुश्री प्रियंका वर्मा **द्वितीय पुरस्कार**: श्री स्मित तबियाड **तृतीय पुरस्कार**: सुश्री प्रमिला

विजेताओं को उनकी उत्कृष्ट रचनात्मक उपलब्धियों के लिए हार्दिक बधाई। स्टाफ क्लब सभी प्रतिभागियों के प्रति उनकी रचनात्मकता, उत्साह तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण के लिए अपना आभार व्यक्त करता है। प्रतियोगिता में तैयार किए गए सभी पोस्टरों को आईपीआर परिसर में प्रदर्शित किया गया, जिन्होंने प्लास्टिक प्रदूषण के विरुद्ध सशक्त संदेश देकर सहकर्मियों एवं आगंतुकों को पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

वृक्षारोपण अभियान : हरित परिसर के संवर्धन की दिशा में एक कदम

इसी दिन प्रातः 10:30 बजे आईपीआर परिसर में वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य पर्यावरणीय जागरूकता बढ़ाना तथा परिसर की हरियाली को समृद्ध करना था। कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न पौधे लगाए और एक स्वस्थ एवं सुदृढ़ पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में प्रत्यक्ष योगदान दिया। इस अभियान के अंतर्गत गुलमोहर, सिंदूर तथा भारतीय कोरल जैसे विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इसी प्रकार का वृक्षारोपण कार्यक्रम एफसीआईपीटी परिसर में भी आयोजित किया गया। भावी पीढ़ियों के लिए हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण हेतु सामूहिक प्रयास और साझा जिम्मेदारी के प्रतीक इस कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों को जलपान प्रदान कर किया गया।

ये तीनों गतिविधियाँ पर्यावरण शिक्षा के प्रति आईपीआर के समग्र दृष्टिकोण को दर्शाती हैं, जिसमें ज्ञान-वितरण, रचनात्मक अभिव्यक्ति और व्यावहारिक सहभागिता का समन्वय देखने को मिला। इन कार्यक्रमों ने संस्थान की सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ किया तथा यह संदेश दिया कि सामूहिक रूप से किए गए छोटे-छोटे प्रयास भी पृथ्वी को अधिक हरित और सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

आईपीआर में आयोजित वृक्षारोपण अभियान की झलकियाँ

विश्व पर्यावरण दिवस

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, गाँधीनगर के सौजन्य से प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान के स्टाफ क्लब द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में 4 जून 2026 को हिंदी में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माही तापी बेसिन संगठन, केंद्रीय जल आयोग, गांधीनगर के प्रबोधन निदेशालय के निदेशक श्री अभिजीत काशलीवाल को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया।

श्री काशलीवाल ने विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान में **"पर्यावरण संरक्षण के साथ सतत जल संसाधन का विकास"** विषय पर विस्तृत चर्चा की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ जल संसाधनों के विवेकपूर्ण एवं सतत उपयोग के महत्व को रेखांकित करना था।व्याख्यान के दौरान वक्ता ने वर्तमान समय में जल संकट, भूजल स्तर में निरंतर गिरावट तथा जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण और जल संसाधनों का सतत विकास एक-दूसरे के पूरक हैं तथा दीर्घकालिक विकास के लिए दोनों के मध्य संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

व्याख्यान में वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण की आधुनिक तकनीकों, अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग, वृक्षारोपण तथा जनसहभागिता की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। उन्होंने दैनिक जीवन में जल के विवेकपूर्ण उपयोग तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व निभाने का आह्वान किया। उन्होंने श्रोताओं की जिज्ञासाओं एवं शंकाओं का समाधान करते हुए उनके प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

यह कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी रहा। नराकास, गांधीनगर के सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इसमें ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया।

वक्ता का परिचय देते हुए डॉ. हीरल जोशी

श्री अभिजीत काशलीवाल को पुष्प गुच्छ भेंट करते हुए डीन, प्रशासन

व्याख्यान देते हुए श्री अभिजीत काशलीवाल

सभागार में उपस्थित श्रोतागण

प्लाज़्मा X एआई-फ़्यूज़न और प्लाज़्मा टेक्नोलॉजी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता

डॉ. नीरव जमनापारा ने 2 जून 2026 को आईआईएम अहमदाबाद में आईआईएमए वेंचर्स द्वारा आयोजित ' एआई समर रेजीडेंसी 2026' कार्यक्रम में "प्लाज़्मा X एआई " – यानी फ़्यूज़न और प्लाज़्मा टेक्नोलॉजी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता – विषय पर एक व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान में 50 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया, जिनमें ज़्यादातर भारत के विभिन्न भागों से आए एआई इंटर्नशिप करने वाले 46 छात्र और आईआईएमए वेंचर्स की टीम के कुछ सदस्य शामिल थे। इस व्याख्यान में फ़्यूज़न और प्लाज़्मा टेक्नोलॉजी के लिए एआई की ज़रूरत पर चर्चा की गई और प्लाज़्मा व फ़्यूज़न टेक्नोलॉजी में एआई के कुछ अनुप्रयोगों के उदाहरण दिखाए गए। इसके बाद, छात्रों ने प्लाज़्मा टेक्नोलॉजी के लिए एआई से जुड़े बिज़नेस आइडिया पर प्रस्ताव तैयार किये।

फिर, 5 जून 2026 को, कुल 46 लोगों की टीम (जिसमें छात्र और आईआईएमए वेंचर्स की टीम शामिल थी) ने गांधीनगर स्थित आईपीआर का दौरा किया। वहाँ जनजागरूकता प्रभाग की टीम ने उन्हें अलग-अलग प्लाज़्मा प्रणाली के जीवंत प्रदर्शन दिखाये और आईपीआर में लगे टोकामॅक और आईपीआर के अटल इनक्यूबेशन सेंटर की झलक दिखाई। इस दौरे के आखिर में कई छात्रों ने फ़्यूज़न और प्लाज़्मा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में डीप-टेक इनोवेशन चुनौतियों को अपनाने में रुचि व्यक्त की।

एआई समर रेज़िडेंसी 2026 के छात्रों के साथ बातचीत करते हुए डॉ. नीरव जमनापारा

आईआईएम अहमदाबाद में प्लाज़्मा X एआई पर चर्चा सत्र में शामिल छात्र

आईआईएमए एआई समर रेज़िडेंसी 2026 के विद्यार्थियों एवं आईआईएमए वेंचर्स की टीम का आईपीआर, गांधीनगर भ्रमण के अवसर पर लिया गया समूह फोटो

गुरु नानक विश्वविद्यालय, इब्राहिमपट्टनम, हैदराबाद में प्लाज़्मा प्रदर्शनी

प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान (आईपीआर), गांधीनगर, गुजरात ने 24–25 अप्रैल 2026 को गुरु नानक विश्वविद्यालय, इब्राहिमपट्टनम, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन–2026 में भाग लिया।

यह प्रदर्शनी भारत भर में आईपीआर द्वारा संचालित वैज्ञानिक जन-जागरूकता एवं प्रसार गतिविधियों के अंतर्गत आयोजित की गई। आईपीआर के स्टॉल पर प्लाज़्मा विज्ञान एवं उसके अनुप्रयोगों को प्रदर्शित करने वाले विभिन्न स्थिर प्रदर्शन, अंतःक्रियात्मक कार्यशील मॉडल तथा शैक्षणिक एवं सूचना सामग्री प्रदर्शित की गई।

इस प्रदर्शनी में 600 से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं तथा आम नागरिकों ने सहभागिता की। उन्हें प्लाज़्मा विज्ञान, संलयन ऊर्जा तथा उससे संबंधित प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला।

आईपीआर के जनजागरूकता प्रभाग के प्रमुख डॉ. एन. रामसुब्रमणियन सभा को संबोधित करते हुए (बाएँ) तथा विद्यार्थियों को प्रदर्शनों की जानकारी देते हुए (दाएँ)

छात्र स्वयंसेवक आईपीआर के मॉडलों का प्रदर्शन करते हुए

जनजागरूकता टीम के सदस्य श्री गट्टू रमेश बाबू आईपीआर प्रदर्शनी की जानकारी देते हुए

लॉर्ड्स इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद में प्लाज़्मा प्रदर्शनी

आईपीआर ने लॉर्ड्स इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद, तेलंगाना के सहयोग से 28–30 अप्रैल 2026 के दौरान "**प्लाज़्मा: पदार्थ की चौथी अवस्था**" विषय पर तीन दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया।

प्रदर्शनी में प्लाज़्मा विज्ञान तथा उसके विभिन्न अनुप्रयोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्थिर प्रदर्शन, कार्यशील मॉडल तथा जानकारीपूर्ण अध्ययन सामग्री प्रदर्शित की गई।

इस प्रदर्शनी में 900 से अधिक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भाग लिया और प्रदर्शों तथा मॉडलों का अवलोकन करते हुए प्रदर्शनों और प्रदर्शनियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे । यह आयोजन विज्ञान संचार तथा जन-जागरूकता के लिए एक प्रभावी मंच सिद्ध हुआ।

लॉर्ड्स इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद में प्लाज़्मा प्रदर्शनी

संस्थान की जनजागरूकता प्रभाग टीम, अपने पूर्व आईपीआर सहयोगी डॉ. पी. वासु (दाएँ से दूसरे) के साथ

आईपीआर के प्रदर्शों का अवलोकन करते हुए विद्यार्थी

विद्यार्थियों, आयोजकों तथा आईपीआर की जनजागरूकता प्रभाग टीम का सामूहिक फोटो

संस्थान में शैक्षणिक दौरे

दिनांक	संस्थान	आगंतुकों का विवरण
29 अप्रैल 2026	इंडोसाइंस एजुकेशन ट्रस्ट, पुणे	कक्षा 8 से 10 के 71 छात्र
18 मई 2026	एडवांस्ड बी.एससी. सेंट जेवियर्स कॉलेज, अहमदाबाद	बी.एससी. (भौतिक विज्ञान) के 24 छात्र
20 मई 2026	युवा विज्ञानी कार्यक्रम (युविका) - 2026	कक्षा 9 के 57 छात्र
27 मई 2026	प्रशिक्षण कार्यक्रम 26-27, जीटीयू (GTU), अहमदाबाद	40 संकाय सदस्य (फैकल्टी)

हिंदी प्रशिक्षण

बैंक ऑफ बड़ौदा, एपेक्स अकादमी, गांधीनगर द्वारा देश भर में नवनियुक्त राजभाषा अधिकारियों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में, 15 मई 2026 को इन नये-भर्ती हिंदी विशेषज्ञ अधिकारियों को "हिंदी तिमाही प्रगति रिपोर्ट (भाग-1 एवं 2)" भरने का प्रशिक्षण देने के लिए संस्थान की हिंदी अधिकारी डॉ. संध्या दवे को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. दवे ने कार्यालयों और बैंकों में तिमाही प्रगति रिपोर्ट भरने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इसके लिए आवश्यक डेटा एकत्रित करने तथा रिपोर्ट को सही और सुगम तरीके से भरने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की। इसके साथ ही, उन्होंने गृह मंत्रालय के राजभाषा पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न टूल्स (Tools) और रिपोर्ट को ऑनलाइन अपलोड करने के संबंध में भी व्यावहारिक जानकारी प्रदान की।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा के नये-भर्ती हिंदी विशेषज्ञ अधिकारी

प्रोफेसर पी. के. काव को कलात्मक श्रद्धांजलि

संस्थान के जनजागरूकता प्रभाग के कर्मचारी एवं कलाकार **श्री नरेंद्र एल. चौहान** ने प्रोफेसर पी. के. काव की 9वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें एक अनूठी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस भावपूर्ण अवसर पर उन्होंने स्वयं द्वारा निर्मित प्रोफेसर काव का एक अत्यंत आकर्षक **'स्टिपलिंग आर्ट' (Stippling Art - बिंदुचित्र कला)** चित्र भेंट कर उनकी पावन स्मृति को नमन किया।

प्रोफेसर काव के 'स्टिपलिंग आर्ट' (बिंदुचित्र) चित्र के साथ जनजागरूकता प्रभाग के कलाकार श्री नरेंद्र एल. चौहान

संस्कृत, हिन्दी और अँग्रेजी के आश्चर्यजनक व्युत्पत्तिगत संबंध

क्रम	संस्कृत मूल शब्द	हिंदी रुप	अंग्रेज़ी रुप	अर्थ	टिप्पणी / व्युत्पत्ति संबंध
1.	**मातृ (matr)**	माता	Mother	माँ	सभी शब्द एक ही प्राचीन मूल से; ध्वनि परिवर्तन के बावजूद अर्थ समान।
2.	**पितृ (pitr)**	पिता	Father	पिता	एक ही भाषायी परिवार की विरासत।
3.	**भ्रातृ (bhratr)**	भाई	Brother	भाई	संस्कृत 'भ्रातृ' - हिंदी 'भाई', अंग्रेज़ी 'Brother'।
4.	**दुहितृ (duhitr)**	दुहिता / बेटी	Daughter	बेटी	संस्कृत 'दुहितृ' और अंग्रेज़ी 'Daughter' का प्रसिद्ध संबंध।
5.	**नाम (nama)**	नाम	Name	नाम	लगभग समान ध्वनि और अर्थ वाले समजात शब्द।
6.	**नव (nava)**	नौ	Nine	संख्या 9	एक ही प्राचीन मूल से विकसित
7.	**अष्ट (asta)**	आठ	Eight	संख्या 8	एक ही प्राचीन मूल से विकसित

एसएसपी (SSP)-2026 के छात्रों हेतु पुस्तकालय परिचय सत्र

दिनांक 25 मई 2026 को एसएसपी (ग्रीष्मकालीन स्कूल प्रोग्राम) के छात्रों के लिए एक पुस्तकालय परिचय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पुस्तकालय में उपलब्ध विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं, और दी जाने वाली सेवाओं से विस्तृत रूप से परिचित कराया गया। इसके पश्चात, सभी छात्रों को पुस्तकालय का भ्रमण भी कराया गया।

आईपीआर पुस्तकालय में परिचय सत्र (ओरिएंटेशन सेशन) के दौरान एसएसपी-2026 के छात्र

सहकर्मी परिचय

डॉ. शेखर गौड़ थटीपामुला ने अक्तूबर 2021 में वैज्ञानिक अधिकारी-डी के रूप में संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया। वर्तमान में ये 'लघु स्तरीय-गोलाकार टोकामॅक प्रभाग' (Small Scale-Spherical Tokamak Division) में कार्यरत हैं। आईपीआर में आने से पूर्व, शेखर ने हैदराबाद विश्वविद्यालय से भौतिक विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की। इसके बाद, ये एक रिसर्च स्कॉलर के रूप में आईपीआर से जुड़े और संस्थान के टोरॉइडल उपकरण 'बीटा' (BETA) में उतार-चढ़ाव तथा आंतरिक प्रवाह जनन पर अपना शोध कार्य किया। होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान (HBNI) से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात, इन्होंने दक्षिण कोरिया के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे—पोहांग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (POSTECH) और नेशनल फ्यूजन रिसर्च इंस्टीट्यूट (वर्तमान में कोरिया इंस्टीट्यूट ऑफ फ्यूजन एनर्जी, KFE) में लगभग 7 वर्षों तक पोस्टडॉक और अनुसंधान सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्य किया। विदेशों में इनका शोध कार्य मुख्य रूप से 'केस्टार' (KSTAR) टोकामॅक पर केंद्रित था, जिसके अंतर्गत इन्होंने टोकामॅक डायग्नोस्टिक्स, एच-मोड भौतिकी और प्लाज़्मा सतह अन्योन्यक्रिया जैसे विषयों पर काम किया। वे पोस्टेक (POSTECH) में 'मैक्स प्लैंक सेंटर फॉर एटोसेकंड साइंस' से भी संबद्ध रहे, जहाँ इन्होंने फेम्टोसेकंड लेजर के निर्माण और संचालन का अनुभव प्राप्त किया। वर्तमान में ये एचबीएनआई में सहायक प्रोफेसर के रूप में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वर्तमान में शेखर की शोध रुचियों में टोकामॅक संचालन, प्लाज़्मा प्रक्षोभ (Turbulence) और परिवहन (Transport) अध्ययन शामिल हैं।

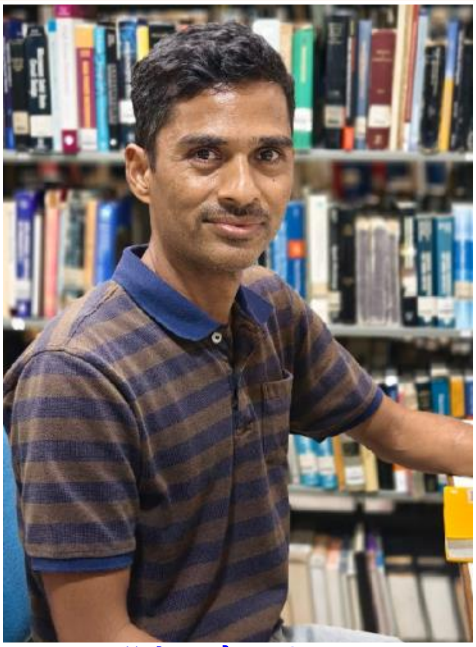

डॉ. शेखर गौड़ थटीपामुला

'प्लाज़्मा समाचार' में प्रकाशित सामग्री प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान के मासिक समाचार पत्र 'The 4th State' से ली गई है। इस सामग्री को प्रदान करने के लिए प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान की न्यूज़लेटर टीम का आभार, जिन्होंने सामग्री संकलन से लेकर डिज़ाइनिंग में अपना विशेष योगदान दिया है।

डॉ. सूर्यकान्त गुप्ता	प्रतिभा गुप्ता	डॉ. अनिल कुमार त्यागी	अतुल गर्ग	निशा	शिल्पा खंडकर	डॉ. संध्या दवे	मुकेश सोलंकी

प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान
भाट, इंदिरा ब्रिज के पास
गांधीनगर 382 428,
गुजरात (भारत)

प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान
Institute for Plasma Research

वेबसाइट: www.ipr.res.in
ई-मेल : hindi@ipr.res.in
फोन नं : 91-79-2396 2000
फैक्स : 91-79-2396 2277